भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 461
गुरूवार, 28 नवम्बर, 2024/7 अग्रहायण, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

सिमिलिपाल में पर्यटन का विकास

461 डा. सस्मित पात्रा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2019-24 के दौरान ओडिशा में पर्यटन के विकास के लिए प्राथमिकता प्राप्त परियोजनाओं और उनके लिए आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार पर्यटन के विकास के लिए ओडिशा को कोई विशेष पैकेज प्रदान करती है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार की सिमिलिपाल बायोस्फीयर रिजर्व में पर्यटन के विकास के लिए कोई विशेष पैकेज प्रदान करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ख): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान' (प्रशाद) नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से ओडिशा राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास के उनके प्रयासों को पूरा करता है। पर्यटन मंत्रालय ने ओडिशा राज्य में अपनी 'स्वदेश दर्शन' और 'प्रशाद' योजनाओं के तहत 1-1 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**योजनाएं**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	स्वदेश दर्शन	2015-16	गोपालपुर, बरकुल, सतपाड़ा और तम्पारा	70.82
2.	प्रशाद	2014-15	पुरी में अवसंरचना विकास	50.00

पर्यटन मंत्रालय ने स्थाई और जिम्मेदारी युक्त पर्यटन स्थलों का विकास करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है और ओडिशा राज्य में स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत विकास के लिए गंतव्य के रूप में 'कोरापुट' एवं 'खिंडा गाँव के विशेष आकर्षण के साथ डेब्रीगढ़' की पहचान की है।

(ग): पर्यटन मंत्रालय ने अपनी योजनाओं के तहत सिमिलिपाल बायोस्फियर रिज़र्व में किसी परियोजना को मंज़ूरी नहीं दी है।

*****